नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

प्रदर्शनकारी कला विभाग में ख्यात माईम एक्टिंग (मूक अभिनय) गुरु पद्मश्री निरंजन गोस्वामी की कार्यशाला सम्पन्न हुई

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं रंगमंच) विभाग में दिनांक 10 से 13 अप्रैल तक चार दिवसीय माईम एक्टिंग (मूक अभिनय) की कार्यशाला सम्पन्न हुई। पद्मश्री से सम्मानित मूक अभिनय के आचार्य एवं अभिनेता पद्मश्री निरंजन गोस्वामी जी ने कार्यशाला में विद्यार्थियों

को मुखज अभिनय(आँख, भौंह, होंठ, नाक, गाल) की विभिन्न मुद्राओं, देंह भाषा,चलने(पद चालन) की विभिन्न अवस्थाओं का अभिव्यक्ति परक प्रशिक्षण दिया। उनके द्वारा विभिन्न अंगों के अभिनयात्मक उपयोग के लिए आवश्यक व्यायामों-आसनों का अभ्यास कराया गया। संवाद के अभाव में शारीरिक अभिनय द्वारा अपनी बातें दर्शकों तक पहुँचाना निरंतर समुचित अभ्यासों द्वारा ही संभव हो पाता है । उन्होंने फ़िल्म के क्षेत्र में रुचि रखने वाले अभिनेता छात्रों को विशेष तौर पर सचेत करते हुए कहा कि 'फ़िल्म अभिनय के लिए भी नाट्यशास्त्र उतना ही प्रासंगिक है जितना कि रंगमंच के अभिनय के लिए । फ़िल्म के अभिनेता की सूक्ष्म मुखज अभिव्यक्तियाँ(भाव-

भंगिमाएँ) भी क्लोजप शॉट द्वारा दर्शकों तक पहुँचती हैं। नाट्यशास्त्र में समस्त भावों के अनुरूप आँखों की पुतलियों, पलकों, भौहों एवं होठों आदि को अनेक रूपों में अभिव्यक्त करने के तरीके बताए गए हैं जिनका अभ्यास

आवश्यक है। विद्यार्थियों से अनुभव साझा करते हुए गोस्वामी जी ने कहा कि अभिनय के विद्यार्थियों को अभिनय अभ्यास के साथ-साथ अध्ययनशील होना भी बहुत जरूरी है। बहुमूल्य समय निकाल कर विश्वविद्यालय के

अवसीय लेखक श्री नवनीत मिश्र जी भी विविध अभ्यासों साक्षी बने । विभागाध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश भारती की

परिकल्पना और विभागीय शिक्षक डॉ. सतीश पावड़े, डॉ. सुरभि विप्लव तथा श्री जैनेन्द्र दोस्त की गरिमामय उपस्थिती में कार्यशाला सम्पन्न हुई । कार्यशाला का संयोजन डॉ अश्विनी कुमार सिंह ने किया ।